संबंध में बहुत से मित्रों ने मुझ से कहा है और उसके ऊपर हम अवश्य विचार करेंगे ।

श्री नवल किशोर सिंह : इस को दृष्टि में रखते हुए कि · · · · इंडियन एयरलाइंज की जो बाई वीकली सर्विसिस चलती है किसी दिन एक तरफ से और किसी किसी दिन दूसरी तरफ से, उससे मुसाफिरों को भी पूरी सुविधा नहीं मिलती है और आमदनी भी इंडियन एयरलाइंज को जो होनी चाहिये नहीं होती है, इस वास्ते क्या मंत्री महोदय कलकत्ता, मुजफ्फरपुर, दिल्ली सर्विस को रोज लागू करने का विचार कर रहे है ?

डा० कर्ण सिंह : सर्विस चलाने के लिए दो बातों का विचार रखना पड़ता है । पहली बात तो यह है कि हमारे पास जहाज होने चाहियें । जहाजों की कमी के कारण कई बार हम रोज किसी स्थान पर नहीं जा सकते है । दूसरी बात यह है कि ट्रेफिक भी होना चाहिये पर्याप्त ताकि रोज अगर जहाज जाए तो ऐसा न हो कि वह खाली जाए या दो तीन मुसाफिर उसमें जाएं । · · · दोनों बातें जब हो जाती है तब अवश्य हम इस पर विचार करेंगे ।

ब्रिटेन से प्राप्त ऋण

*705. **डा० संकटा प्रसाद** : क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ब्रिटेन ने गत वर्ष भारत को जो ऋण दिया था उसके लिये क्या शर्तें रखी गई थी; और

(ख) ऋण की यह राशि किन परियोजनाओं पर खर्च की जायेगी ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN) : (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The British Government extended 4 loans aggregating £ 54·5 million (Rs. 103 4 crores) to India during the financial year 1971-72. These loans are to be repaid over a period of 25 years inclusive of an initial grace period of 7 years. They do not carry interest or any other service charge.

(b) The British aid consists of debt relief, non-project imports and project financing, including capital goods imports. The following projects are being financed under the British aid.

1. Kandla/Kalol Fertilizer Project of Indian Farmer's Fertilizer Cooperative Ltd. (IFFCO).

2. Tuticorin Fertilizer Project of M/s Southern Petrochemical Industries Corporation (SPIC).

3. Mangalore Fertilizer Project of M/s Mangalore Chemicals and Fertilizers Ltd. (MCFL).

4. Two bulk carriers for M/s Shipping Corporation of India Ltd. and

5. One Bulk-carrier for M/s Scindia Steam Navigation Co. Ltd.

डा० संकटा प्रसाद : क्या यह सही है कि ब्रिटेन तथा इम्पीरियलिस्ट पावर्ज ने भारत को जो सहायता दी है या अन्य प्रकार से उसकी मदद की है उससे देश को आत्म-निर्भरता की ओर बढ़ने में कम मदद मिली है और रूस सहायता से हम निरंतर आगे बढ़ रहे है और तरक्की कर रहे हैं ?

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN : That is a different matter. Really speaking, when we talk about self-reliance, it also means that we will have to make more efforts so that we do not depend upon aid. The question is about factual information about the aid that we received last year. I have given that information.

श्री रामसूरत प्रसाद : मैं जानना चाहता हूँ कि जिन परियोजनाओं के लिए ब्रिटेन से

ऋण मिला है, उन परियोजनाओं की प्रगति की स्थिति इस समय क्या है ?

अध्यक्ष महोदय : फैक्चुअल इनफार्मेशन मांगी गई थी और वह सप्लाई कर दी गई है। आप रीजनेबल हुआ करें जब सवाल पूछें।

मध्य प्रदेश में व्यापारिक संस्थानों पर छापे

*706. **श्री फूल चन्द वर्मा** : क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में सन् 1971 के दौरान आयकर अधिकारियों ने कौन-कौन सी व्यापारिक संस्थानों एवं उनके संचालकों के निवास स्थानों पर छापे मारे थे; और

(ख) इन छापों के परिणामस्वरूप कितना धन और किस प्रकार के दस्तावेज़ जब्त किये गये हैं ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH) : (a) No premises of Commercial establishments and their proprietors in Madhya Pradesh were raided by the Income-Tax Officers during 1971.

(b) Does not arise.

श्री फूल चन्द वर्मा : मंत्री महोदय का उत्तर मेरी जानकारी के अनुसार असत्य है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह सत्य नहीं है कि आयकर के अधिकारियों ने फरवरी–मार्च में, 1971-72 में मध्य प्रदेश के कुछ प्रमुख नगरों जैसे इन्दौर, जबलपुर आदि में छापे मारे। मैं उदाहरण के लिए एक नाम बताता हूँ। वह श्री छावड़ा का है। वह हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड कलकत्ता में काम करते हैं। उनका निवास जबलपुर में है। उनके यहाँ छापा मारा गया। लाखों रुपये की सम्पत्ति के साथ साथ जवाहरात और कागज़ात भी जब्त किए गए। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह सच नहीं है ?

SHRI K. R. GANESH : The fact as I have indicated, is that no premises of commercial establishments and their proprietors in Madhya Pradesh were raided by the Income-Tax Officers during 1971. The hon. Member has given some facts. Apart from this, the Central Excise Department conducted searches in the premises of M/s. Chunnilal Pannalal Nahta of Seoni and at the residence of their partners, Nahta, and seized cash amounting to Rs. 2 lakhs and gold coins weighing 450·950 grams and ornaments weighing 361·450 grams. As far as cash is concerned, it was taken over by the I. T. Department. Against the seizure, the assessee has gone to the Madhya Pradesh High Court and the whole matter is *sub judice* there.

श्री फूल चन्द वर्मा : मेरे पहले प्रश्न का उत्तर नहीं आया है। मैंने पूछा है कि 1971-72 में क्या उनके यहाँ छापा पड़ा था। इसको आप क्यों छिपाना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप दूसरा प्रश्न करें।

श्री फूल चन्द वर्मा : इंदौर में एक इंदौर रोलिंग मिल है। उसका आज तक रजिस्टर्ड आफिस अमृतसर के अन्दर है जबकि 25 वर्ष से फैक्ट्री इंदौर में कार्यरत है। दूसरी ईश्वर एलायज मोल्डिंग स्टील इंडस्ट्री है। वह भी इंदौर के अन्दर है। इसका भी रजिस्टर्ड आफिस अमृतसर में है। इसको उत्पादन का लाइसेंस भी इज़ नहीं हुआ है। लाखों रुपये इनकम टैक्स की ये चोरी करते हैं। इसी प्रकार पुरुषोत्तम ट्रेडर्ज हैं जो कि लाखों रुपये की चोरी करते हैं। इसके बारे में चर्चा यह है जनता में कि उन्होंने लाखों रुपये लाकर्ज में ब्लैक मनी के रखे हुए हैं—

अध्यक्ष महोदय : अगर आप मिनिस्टर साहब को कोई इनफार्मेसन देना चाहते हैं, तो दे दीजिए, लेकिन सप्लीमेंटरी में नहीं। इस वक्त आप सप्लीमेंटरी सवाल पूछिये। आप तो एलीगेलन कर रहे हैं।

श्री फूल चन्द वर्मा : मैंने जिन लोगों के नाम गिनाये हैं, उनके संबंध में जन-चर्चा यह है कि वे आयकर के लाखों रुपये चुराते हैं